



# ગુજરાત માધ્યમિક અને ઉચ્ચતર માધ્યમિક શિક્ષણ બોર્ડ, ગાંધીનગર

શૈક્ષણિક વર્ષ 2020-21 માટે

કક્ષા-12 હિન્દી ( પ્રથમ ભાષા ) (002) ( સામાન્ય પ્રવાહ )

વાર્ષિક પરીક્ષા

સમય : 3 ઘંટે

પ્રશ્નપત્ર का પ્રારૂપ

પૂર્ણાંક : 100

નોંધ : આ પરિરૂપ વિદ્યાર્થીઓ, શિક્ષકો, પ્રાશ્નિકો, મોડરેટર્સ વગેરેના માર્ગદર્શન માટે છે. જે તે વિષયોના પ્રાશ્નિક તેમજ મોડરેટર્સને માધ્યમિક અને ઉચ્ચતર માધ્યમિક શિક્ષણના બૃહદ્ હાર્દ/ઉદ્દેશને સુસંગત રહી પ્રશ્નપત્રની સંરચના બાબતે ફેરફાર કરવાની છૂટ રહેશે.

ઉદ્દેશ્ય અનુસાર ભારાંક :

હેતુ	જ્ઞાન (K)	સમજ (U)	ઉપયોજન (A)	ઉચ્ચ વૈચારિક કૌશલ		કુલ
				સંયોજન/વિશ્લેષણ	અનુભાગ/મૂલ્યાંકન	
પૂર્ણાંક	18	28	20	24	10	100
પ્રતિશત	18	28	20	24	10	100

પ્રશ્ન પ્રકાર અનુસાર ભારાંક :

ક્રમાંક	પ્રશ્ન કા પ્રકાર	વિકલ્પ સહિત પ્રશ્નો કી સંખ્યા	વિકલ્પ રહિત પ્રશ્નો કી સંખ્યા	કુલ અંક
1.	હેતુલક્ષી પ્રશ્ન	30	30	30
2.	સંક્ષિપ્ત જવાબી પ્રશ્ન (VSA)	06	06	06
3.	ટૂંક જવાબી પ્રશ્ન (SA-1)	11	11	22
4.	ટૂંક જવાબી પ્રશ્ન (SA-2)	03	02	06
5.	વીર્ઘ પ્રશ્ન (LA)	08	05	26
6.	નિબંધાત્મક પ્રશ્ન (EA)	01	01	10
	કુલ	59	55	100

વિભાગ અનુસાર ભારાંક :

ક્રમ	વિભાગ	ગુણાંકન
1.	ગદ્ય વિભાગ	30
2.	પદ્ય વિભાગ	30
3.	વ્યાકરણ	20
4.	અપઠિત અર્થબોધ ઁવં લેખન	20
	કુલ	100

નોંધ : ગુજરાત માધ્યમિક અને ઉચ્ચતર માધ્યમિક શિક્ષણ બોર્ડ દ્વારા શૈક્ષણિક વર્ષ 2020-21 માટે અભ્યાસક્રમમાંથી રદ કરેલ પ્રકરણો/મુદ્દાઓમાંથી પ્રશ્નો પૂછવા નહીં.



# ગુજરાત માધ્યમિક અને ઉચ્ચતર માધ્યમિક શિક્ષણ બોર્ડ, ગાંધીનગર

વ્યાકરણ કે અનુસાર ભારાંક :

ક્રમ	વિભાગ	ભારાંક
1.	સંધિ-વિચ્છેદ	02
2.	તત્સમ રૂપ	02
3.	અપસર્ગ-પ્રત્યય	02
4.	સમાસભેદ	02
5.	શબ્દસમૂહ કે લિલે ઁક શબ્દ	02
6.	મુહાવરે	04
7.	છન્દ - ( ઢોહા, સોરઠા, ઢોપાઈ ) અભ્યાસ ક્રમ મેં હેં ।	02
8.	અલંકાર - અનુપ્રાસ, યમક, શ્લેષ, વક્રોક્તિ, અપમા, રૂપક, ઉત્પ્રેક્ષા, સંદેશ, ભ્રાંતિમાન, માનવીકરણ ભી અભ્યાસક્રમ મેં હેં ।	04
કુલ		20



# गुजरात माध्यमिक अने उच्चतर माध्यमिक शिक्षण बोर्ड, गांधीनगर

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 माटे

कक्षा-12 हिन्दी ( प्रथम भाषा ) (002) ( सामान्य प्रवाह )

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे

प्रश्नपत्र का प्रारूप

पूर्णांक : 100

## विभाग-A

[30]

- वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 1,2,3,4,5 [05]
  - जोड़े मिलाइए । 6,7,8,9,10 [05]
  - एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए । 11,12,13 [03]
  - दो-तीन वाक्यों में उत्तर दीजिए । 14,15,16 [06]
  - पंद्रह -बीस वाक्यों में उत्तर दीजिए । 17, 18 (दो में से कोई एक) [05]
  - गद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 19, 20 (दो में से कोई एक) [06]
- आरोह भाग-2  
वितान भाग - 2

## विभाग-B

[30]

- वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 21, 22, 23, 24, 25 [05]
- जोड़े मिलाइए । 26, 27, 28, 29, 30 [05]
- एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए । 31, 32, 33 [03]
- दो-तीन वाक्यों में उत्तर दीजिए । 34, 35, 36 [06]
- पंद्रह -बीस वाक्यों में उत्तर दीजिए । 37, 38 (दो में से कोई एक) [05]
- पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 39, 40, 41 (तीन में से कोई दो) [06]

## विभाग-C व्याकरण

[20]

- संधि-विच्छेद कीजिए । 42, 43 [02]
- तत्सम रूप लिखिए । 44, 45 [02]
- उपसर्ग या प्रत्यय अलग कीजिए । 46, 47 [02]
- सामासिक शब्दों का विग्रह करके समास का नाम लिए । 48, 49 [02]
- शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए । 50, 51 [02]
- मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए । 52, 53 [04]
- उदाहरण सहित छन्द की परिभाषा लिखिए । 54 [02]
- उदाहरण सहित अलंकार की परिभाषा लिखिए । 55, 56 [04]

## विभाग-D

[20]

- अपठित गद्यांश का एक तिहाई में सारलेखन और उचित शीर्षक भी दीजिए । 57 [05]
- निबंध लेखन 300 शब्दों में लिखिए । 58 (अ, ब, क, ड) [10]
- अपठित काव्यांश का भावार्थ लिखिए । 59 [05]



# गुजरात माध्यमिक अने उच्चतर माध्यमिक शिक्षण बोर्ड, गांधीनगर

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 माटे

कक्षा-12 हिन्दी ( प्रथम भाषा ) (002) ( सामान्य प्रवाह )

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे

नमूने का प्रश्नपत्र

पूर्णांक : 100

- सूचना : (1) इस प्रश्नपत्र में कुल चार विभाग हैं ।  
(2) प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है ।  
(3) सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

## ( विभाग-A )

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

[05]

- (1) 'बाजार दर्शन' पाठ किस साहित्यिक विधा में लिया गया है ?  
(A) कहानी (B) संस्मरण (C) निबंध (D) उपन्यास
- (2) सफिया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना किया ?  
(A) ईमानदार था (B) कस्टम अधिकारी था  
(C) बैंक मैनेजर था (D) पुलिस अफसर था
- (3) 'भक्तिन' पाठ के रचनाकार कौन हैं ?  
(A) कुँवर नारायण (B) प्रेमचंद  
(C) महादेवी वर्मा (D) नागार्जुन
- (4) इन्द्र सेना को गाँव के लोग दूसरे किस नाम से बुलाते थे ?  
(A) शरारती-मंडली (B) किर्तन मंडली (C) मेढक मंडली (D) चिल्लर मंडली
- (5) पूरा गाँव कौन-सी बिमारी से तबाह हो गया था ?  
(A) हैजा-मलेरिया (B) अतिवृष्टि (C) चेचक-सूखा (D) कोरोना

जोड़े मिलाइए :

[05]

पात्र/लेखक

संवाद एवं पाठ

- (6) जीजी (अ) नये मैनेजर ने कहा 'हौरिबुल'  
(7) सफिया (ब) देढा तू तो अभी से पढ़-लिख गया ।  
(8) लुट्टन सिंह (क) उसने क्षत्रिय का काम किया है ।  
(9) धर्मवीर भारती (ड) काले मेघा पानी दे  
(10) राजासाहब (प) पहलवान की ढोलक  
(फ) जी माताजी, आपको तो यहाँ आये हुए बहुत साल हो गये होंगे ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

[03]

- (11) ढोलक की आवाज का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?  
(12) मेढक-मंडली अपने आपको इंदर सेना कहकर क्यों बुलाती थी ?  
(13) बाजारपन से क्या तात्पर्य है ?



# गुजरात माध्यमिक अने उच्चतर माध्यमिक शिक्षण बोर्ड, गांधीनगर

निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर दीजिए।

[06]

- (14) महामारी फैलने के बाद गाँव में सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य में क्या अन्तर होता था ?  
(15) भक्तिन के ससुरालवाले भक्तिन के साथ कैसा व्यवहार करते थे ?  
(16) बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ?

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न का उत्तर पंद्रह-बीस वाक्यों में लिखिए।

[05]

- (17) भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है ?  
(18) 'मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से जमीन और जनता बँट नहीं जाती है' -  
उचित तर्कों व उदाहरणों के द्वारा समझाइए ?

निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

[06]

- (19) 'आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।'  
(20) 'जाति-प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन ही है, क्योंकि यह मनुष्य की रूचि पद आधारित नहीं है।'

## विभाग-B

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

[05]

- (21) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता किस काव्यसंग्रह से ली गई है ?  
(A) टूटी-फूटी कुड़िया (B) चाँद का मुँह टेढा (C) इन दिनों (D) लोग भूल गये  
(22) 'पतंग' कविता के अन्तर्गत कवि ने किन इच्छाओं उमंगों का चित्रण किया है ?  
(A) जन्मजात इच्छाएँ (B) नैसर्गिक इच्छाएँ (C) बालसुलभ इच्छाएँ (D) युवावस्था की इच्छाएँ  
(23) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' काव्यगीत के रचनाकार कौन है ?  
(A) रघुवीर सहाय (B) हरिवंशराय बच्चन (C) तुलसीदास (D) आलोक धन्वा  
(24) जिन्दगी में जो कुछ है, जो भी है ..... ,  
(A) सहर्ष स्वीकार हैं (B) सहर्ष अस्वीकार हैं  
(C) सहज सहमत हैं (D) असहमत हैं  
(25) भोर का नभ कैसा लगता है ?  
(A) नीला शंख जैसा (B) सुनहरा शंख जैसा (C) लाल शंख जैसा (D) पीला शंख जैसा

जोड़े मिलाइए :

[05]

- | रचनाकार               | रचना                     |
|-----------------------|--------------------------|
| (26) रघुवीर सहाय      | (अ) रुबाईयाँ             |
| (27) उमाशंकर जोशी     | (ब) कैमरे में बंद अपाहिज |
| (28) मुक्तिबोध        | (क) छोटा मेरा खेत        |
| (29) तुलसीदास         | (ड) उषा                  |
| (30) शमशेरबहादुर सिंह | (प) लक्ष्मण-मुर्च्छा     |
|                       | (फ) सहर्ष स्वीकारा है    |



# गुजरात माध्यमिक अने उच्चतर माध्यमिक शिक्षण बोर्ड, गांधीनगर

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्यों में लिखिए :

[03]

(31) कवि ने चौकोन खेत की तुलना किससे की है ?

(32) काली सिल को किससे धो दिया है ?

(33) लक्ष्मणजी को किस वैद्य ने ठीक किया ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :

[06]

(34) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे ?

(35) बच्चे किस के साथ उड रहे हैं ?

(36) कुंभकरण रावण से बिलखकर क्या बोला ?

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न का उत्तर पंद्रह-बीस वाक्यों में लिखिए ।

[05]

(37) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता का केन्द्रिय भाव लिखिए ।

(38) 'परदे पर वक्त की कीमत है'-कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है ?

निम्नलिखित पद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : ( कोई दो )

[06]

(39) जथा पंख बिनु खग अति दीना, मति बिनु फनि करिबर कर हीना,  
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही, जौ जड़ दैव जिआवै मोही ॥

(40) शब्द के अंकुर फूटे, पल्लव पुष्पों से नमित हुआ विशेष ॥

(41) जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है,  
जितना भी उँडेलता हूँ, भर-भर फिर आता है ॥

## विभाग-C

निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए ।

[02]

(42) निर्मल

(43) विद्यालय

निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए ।

[02]

(44) आग

(45) दरसन

निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए ।

[02]

(46) गाड़ीवान

(47) व्यक्तित्व

निम्नलिखित सामासिक शब्दों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए ।

[02]

(48) चतुरानन ।

(49) चौराहा

निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

[02]

(50) जिसका कोई शत्रु न हो

(51) जो उपकार न मानता हो



# गुजरात माध्यमिक अने उच्चतर माध्यमिक शिक्षण बोर्ड, गांधीनगर

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यप्रयोग कीजिए ।

[04]

(52) ईद का चाँद होना

(53) नौ दो ग्यारह होना

निम्नलिखित छन्द का लक्षण लिखकर उदाहरण दीजिए ।

[02]

(54) चौपाई

निम्नलिखित अलंकारों के लक्षण सहित उदाहरण लिखिए ।

[04]

(55) श्लेष अलंकार

(56) मानवीकरण अलंकार

## विभाग-D :

निम्नलिखित अपठित परिच्छेद का एक तिहाई भाग में सारांश लिखकर उचित शीर्षक दीजिए ।

[05]

(57) ईक्रीसर्वो सदी में प्रवेश का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम आगामी कई वर्षों में उसमें प्रवेश कर जायेंगे। इसी बात का मर्म मूलतः यह है कि हम वर्तमान के यथार्थ और भविष्य के स्वप्न के बीच अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे। विकास की संरचना और न्याय के निर्माण के अभियान में हम संतोष की सांस नहीं लेंगे और आशा, विश्वास एवं साहस के साथ अपने पर पर अग्रसर होंगे क्यों कि हमारे लक्ष्य महान और कठिन हैं। हम कम्प्यूटर की बटन दबाते हुए दिखावा करने नहीं ना रहे हैं। हम कर्म करके अपने विचारों को मूर्त रूप दें, राष्ट्रीय एकता और सहमति की प्रतिष्ठा करें, वसुधा को एक कुटुम्ब के रूप में प्रस्थापित करने के प्रयत्न करें तथा विज्ञान और व्यवसाय के नये सीमांतों की खोज करते हुए व्यक्ति की अस्मिता और गरिमा की सुरक्षा के लिए न केवल कटिबद्ध हों, बल्कि उसकी गारंटी भी दें।

निम्नलिखित विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए । ( कोई एक )

[10]

(58) (अ) कोरोना एक वैश्विक महामारी

(ब) प्रदूषण की समस्या

(क) कम्प्यूटर युग

(ड) मेरा प्रिय खेल

निम्नलिखित अपठित काव्यांश का भावार्थ लिखिए ।

[05]

(59) चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,  
चाह नहीं, प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,  
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,  
चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ,

मुझे तोड़ लेना बनमाली

उस पथ में देना तुम फेंक ,

मातृभूमि पर शीश चढाने

जिस पथ जावें बीर अनेक ।

• • •